क्रम संख्या	राज्य	राशि (करोड़ रुपए)
4.	बिहार	4.40
5.	दिल्ली	0.68
6.	गुजरात	1.88
7.	हिमाचल प्रदेश	0.49
8.	हरियाणा	0.12
9.	जम्मू व कश्मीर	0.15
10.	कर्नाटक	1.90
11.	केरल	1.81
12.	मध्य प्रदेश	0.89
13.	मेघालय	0.13
14.	मिजोरम	0.03
15.	महाराष्ट्र	0.48
16.	मणिपुर	1.14
17.	नागालैंड	0.08
18.	उड़ीसा	1.32
19.	राजस्थान	0.69
20.	तमिलनाडु	3.64
21.	त्रिपुरा	0.10
22.	उत्तर प्रदेश	3.57
23.	पश्चिम बंगाल	3.41
	कुल	34.32

परती भूमि को उपजाऊ बनाया जाना

905. **श्री राज मोहिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में परती भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए आवश्यक पूंजी निवेश हेतु निगमित क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए कोई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश में परती भूमि की उपलब्धता के संबंध में कोई अनुमान लगाया है;

(ग) यदि हां, तो देश में कुल कितनी परती भूमि है तथा संबंध में राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए कुल कितने अतिरिक्त पूंजी निवेश की आवश्यकता होने का अनुमान है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बाबागौडा पाटील): (क) कृषि मंत्रालय की भूमि आधारित तकनीकों का प्रयोग करके नौ स्तरीय भूमि उपयोग वर्गीकरण की परिभाषा के अनुसार परती (बैरन) भूमि पर्वतीय, रेगिस्तानी और ऐसी भूमि शामिल है जिसे काफी अधिक लागत के बिना कृषि योग्य नहीं बनाया जा सकता है। राष्ट्रीय दूर संवेदी एजेंसी, हैदराबाद ने 1,250,000 पैमाने पर दूर संवेदी उपग्रह प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके भूमि उपयोग/भू-आच्छादित श्रेणियों के आधार पर परती भूमि का वर्गीकरण परती चट्टानी/पथरीली बंजर भूमि/शीट रॉक क्षेत्र के रूप में किया है। देश में परती भूमि को उपजाऊ बनाये जाने के लिए कोई योजना तैयार नहीं की गई है। दूसरी ओर बनेतर बंजरभूमि के विकास के लिए बंजरभूमि विकास विभाग केन्द्रीय क्षेत्र की निवेश संवर्धन योजना क्रियान्वित कर रहा है। निवेश संवर्धन योजना के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य केन्द्र तथा राज्य सरकारों, पंचायतों, ग्राम समुदायों, किसानों आदि की बनेतर बंजरभूमि के विकास के लिए प्रयोक्ता उद्योगों तथा अन्य उद्यमियों सहित वित्तीय संस्थाओं, बैंकों, निगमित निकायों से संसाधनों को सुलभ बनाना/आकृष्ट करना/प्रवाही बनाना/जुटाना है।

(ख) और (ग) राष्ट्रीय दूर संवेदी एजेंसी, हैदराबाद ने देश में परती चट्टानी/पथरीली बंजर भूमि/शीट रॉक क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 6.25 मिलियन हैक्टेयर होने की सूचना दी है। देश में परती भूमि का राज्यवार ब्यौरा संलग्न है। (नीचे देखिए)

(घ) परती भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के बारे में कोई अनुमान नहीं लगाया गया है।

विवरण
देश में राज्यवार परती भूमि क्षेत्र

(क्षेत्र हेक्टेयर में)

क्रम संख्या	राज्य	कुल भौगलिक क्षेत्र	परती चट्टानी/पथरीली बंजरभूमि/शौट रॉक क्षेत्र
1.	आन्ध्र प्रदेश	27506800	391944
2.	अरुणाचल प्रदेश	8374300	97059
3.	असम	7843800	4
4.	बिहार	17387700	108219
5.	गोवा	370200	1121
6.	गुजरात	19602400	426165
7.	हरियाणा	4421200	9646
8.	हिमाचल प्रदेश	5567300	453081
9.	जम्मू और कश्मीर	13894200	2672819
10.	कर्नाटक	19179100	261725
11.	केरल	3886300	14169
12.	मध्य प्रदेश	44344600	765905
13.	महाराष्ट्र	30769000	246380
14.	मणिपुर	2232700	0
15.	मेघालय	2242900	0
16.	मिजोरम	2108100	0
17.	नागालैंड	1657900	0
18.	उड़ीसा	15570700	46642
19.	पंजाब	5036200	0
20.	राजस्थान	34223900	424975
21.	सिक्किम	709600	82978
22.	तमिलनाडु	13005800	76730
23.	त्रिपुरा	1048600	0
24.	उत्तर प्रदेश	29441100	156003
25.	पश्चिम बंगाल	8875200	15812
26.	संघ राज्य क्षेत्र	1097300	104
27.	सर्वेक्षण न किया गया क्षेत्र	8329400	0
	कुल	328726300	6251477